













# 1 नवंबर को वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी ?

पूजा का शुभ मुहूर्त और चंद्रोदय समय क्या है? वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी व्रत 2023 कब है? हिंदू कलेंडर के अनुसार, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरूआत 31 अक्टूबर को रात 09:30 बजे से होगी और इस तिथि की समाप्ति 01 नवंबर को रात 09 बजकर 19 मिनट पर होगी। उदयातिथि के आधार पर देखा जाएँगे वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी का व्रत 1 नवंबर को रखना चाहिए।

सर्वार्थ सिद्धि योग में करें गणेश पूजा, जानें मुहूर्त और चंद्रोदय समय कार्तिक कृष्ण तिथि की शुरूआत 31 अक्टूबर को रात 09:30 बजे से होगी। वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, परिघ योग और शिव योग बन रहा है। वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी पर चंद्रोदय रात 08 बजकर 15 मिनट पर होगा।

वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी के दिन करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी होती है। इस बार वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी पर चंद्रोदय सर्वार्थ सिद्धि समेत 3 योग बन रहे हैं और 4 संयोग भी बन रहे हैं।

इस दिन गणेश जी की पूजा करते हैं और रात के समय में चंद्रमा को अर्च देते हैं। बिना चंद्र अर्च के यह व्रत पूर्ण नहीं होता है। इस दिन सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए करवा चौथ का व्रत रखती हैं। कार्यों के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भूमि से जनत हैं कि वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी व्रत कब है?

3 शुभ योग में वक्रतुंड संकष्टी



**चतुर्थी व्रत**  
वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, परिघ योग और शिव योग बन रहा है। उस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 06:33 बजे से अलगे दिन सुबह 04:36 बजे तक है। इस दिन परिघ योग प्रातःकाल से लेकर दोपहर 02:07 बजे तक है, उसके बाद से शिव योग प्रारंभ हो जाएगा, जो रात तक रहेगा।

**वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी पर 4 शुभ संयोग**  
इस साल 4 शुभ संयोग में वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी मनाई जाएगी। वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी के दिन करवा चौथ और स्त्रीधारिक का संयोग बना है।

उसके अलावा बुधवार दिन भी गणेश पूजा के लिए है। इस तरह से वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी पर 4 शुभ संयोग बनेंगे। वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी पर रुद्राधिषेक सूर्योदय से कर सकते हैं। पूरे दिन शिववास है।

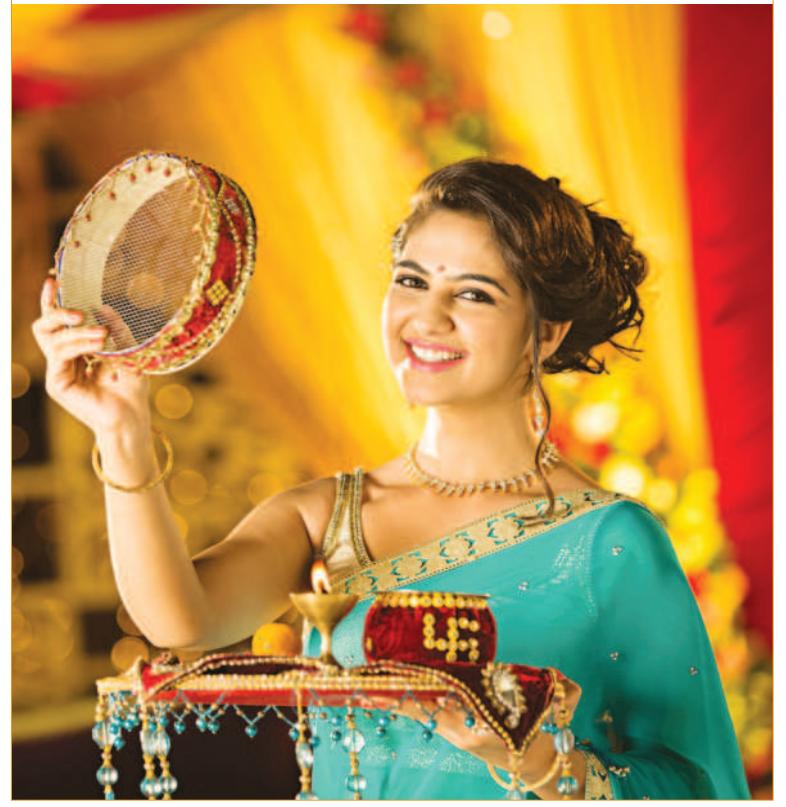
**वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी पर चंद्रोदय**

वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी के दिन चंद्रोदय रात 08 बजकर 15 मिनट पर हो जाएगा। उस समय आपको चंद्रमा की पूजा करनी चाहिए। उसके बाद कच्चे दूध, पानी, असान और सफेद फूल से चंद्रमा को अर्च देना चाहिए।

**वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी का महात्म्य**  
इस व्रत को रखकर गणेश जी की पूजा करने से संकट दूर होते हैं। गणपति वर्षा के आशीर्वाद से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कार्यों में आने वाली विचार और बाधाएं खत्म होती हैं, कार्य में सफलता प्राप्त होती है।

जिससे व्यक्तिका शरीर भी बना है। करवा में मिट्टी और पानी मिलाया जाता है। पानी में मिट्टी को गलाकर करवा बनाया जाता है। यह भूमि और जल का प्रतीक है। उसके बाद इसे धूप और हवा से सुखाकर तैयार किया जाता है पश्चात आग में पकाया जाता है। हमारी संस्कृति में पानी को प्रथम ब्रह्म माना गया है। सभी जीवों की उत्पत्ति यही से हुई है। इसलिए मिट्टी के करवे से पानी पिलाकर ही पति अपनी पत्नी का व्रत खोले। यह पंच तत्व और परमात्मा दोनों को साक्षी बनाकर दांपत्य जीवन में सुखी बनाने की कमना करते हैं। साथ ही मिट्टी के बर्तन से पानी पीने से स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

## सबसे पहले किसने रखा था करवा चौथ का व्रत?



### करवा चौथ का शुभ मुहूर्त

इस साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरूआत 31 अक्टूबर (मंगलवार) की रात 10 बजकर 42 मिनट से होने जा रही है और समाप्त अगले दिन 1 नवंबर (बुधवार) की रात 9 बजकर 53 मिनट पर होगा। वहीं, उदयातिथि और चंद्रोदय को देखते हुए 1 नवंबर को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। वहीं, पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम 5 बजकर 12 मिनट से रात 8 बजकर 43 मिनट तक रहने वाला है।

हिन्दू धर्म में करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए करती हैं। मान्यता है कि मिलियाँ द्वारा इस पर्व को करने से इनके पति के सारे संकट दूर हो जाते हैं और दीर्घायी होते हैं। करवा चौथ का व्रत हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। वहीं व्रत रखने की यह परंपरा आदि अनादि काल से चली आ रही है। ऐसे में मैं एक सबसे बाल आता हूँ कि करवा चौथ का व्रत सबसे पहले किसने रखा होगा। हर साल करवा चौथ का व्रत कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी के दिन रखा जाता है। वहीं इस साल 1 नवंबर को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायी की कमना करती हैं और यह परंपरा आदि अनादि काल से ही चलती आ रही है। वहीं सबसे पहले करवा चौथ का व्रत माता पातंत्री भगवान शिव के लिए रखा है। दूसरी प्राचीन कथा

## मिट्टी के करवा के बिना क्यों अधूरा है करवा चौथ

हिन्दू धर्म में करवा चौथ का व्रत बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखती हैं और पूजा-पाठ करती हैं। इस दिन गत्रि में चांद की पूजा करने का भी महत्व है। महिलाएं चांद की पूजा करने के बाद इसे चतुर्थी पर 4 शुभ संयोग बनेंगे। वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी पर रुद्राधिषेक का संयोग बना है।



## करवा चौथ पर चाहती हैं चमकती त्वचा तो आज ही लगाएं ये फेस पैक



वास्तु के इन उपायों से करें बच्चों के तनाव को कम

आज अधिकांश बच्चे जिनमें युवा किशोर से लेकर वयस्क तक शामिल हैं, सभी कम या खारब एकाग्रता के साथ चिंता, तनाव और घबराहट से पीड़ित हैं। अपने अक्सर उन्हें यह कहते हैं एवं सुना होता है कि वे चीजों को अधिक चाहते हैं। आपनी त्वचा को चमकदार और खुबसूरत बनाने के लिए घर पर ही कुछ खास समिक्षणों का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा ही एक प्रभावी घटक है मेथी के बीज का चमकदार और खुबसूरत बनाने के लिए घर पर ही कुछ खास समिक्षणों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह पंच तत्व और परमात्मा दोनों को साक्षी बनाकर दांपत्य जीवन में सुखी बनाने की कमना करते हैं। साथ ही मिट्टी के बर्तन से पानी पीने से स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

वास्तु दोष का होता है जहां स्टडी टेबल की स्थिति, पढ़ने की स्थिति, सोने की स्थिति आदि बहुत मायने रखती है। 1. बच्चे को उत्तर पर्याप्त या पर्याप्त या अधिक चाहते हैं। 2. बच्चे को अपना सिर दरिया या पूर्व की ओर करके सोना चाहते हैं। 3. हमें उत्तर या पूर्व की ओर मुंह करके पढ़ना चाहते हैं। 4. अपनी स्टडी टेबल को दूरी पर सोना चाहते हैं। 5. उत्तर-पूर्व में कुछ जल स्रोत जैसे फिल्स एवं रेसिंग रेन चाहते हैं। 6. पढ़ाइ के तरिके समय हमें स्टडी टेबल के सामने पानी से भरा गिरा रखते हैं। 7. उत्तर दिशा की ओर चाहते हैं और लगी पेंडुलम घड़ियां भी एकाग्रता बढ़ाती हैं। 8. स्टडी टेबल का आकार नियमित होना चाहिए। 9. स्टडी टेबल दीवार से सटी नहीं होनी चाहिए। दीवार और टेबल के बीच कम से कम 3 इंच की जगह छोड़ दें। 10. स्टडी टेबल के ऊपर ओवरहेड स्ट्रोंगर खरने से बचें। 11. बच्चों के कामे में किसी भी तरह के इलेक्ट्रोनिक सामान से दूर रहें। यदि वे जीजूड़ हैं, तो उपयोग में न होने पर उन्हें मुख्य स्विच से बंद करने का प्रयास करें। 12. सूरजमुखी के पीले रंग की कोई भी वस्तु रखें, इससे समग्र ग्रहण शक्ति और बुद्धि में बुद्धि होती है।

त्वचा में चमक लाने में भी मदद करता है। विभिन्न त्वचा समस्याओं का समाधान:- \* मेथी के बीज का पैक चेहरे की झारियों को कम करने में विशेष रूप से प्रभावी है। यह चेहरे के मूँहासों को दूर करने में मदद करता है। \* फाइबर, जिंक और विटामिन सी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर मेथी के बीज का पैक चेहरे के मूँहासों को दूर करने में मदद करता है। यह चेहरे के मूँहासों से राहत मिलती है। \* मेथी के बीज एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं जो त्वचा को अंदर से उत्तराधारी गुणों से भरपूर होते हैं और त्वचा को होने वाले नुकसान से बचाने में मेथी के दानों का इस्तेमाल कार्यकारी है। \* डाक सर्कल से छुटकारा पाने के लिए मेथी के बीज का पैक लगाएं। बीजों को गत भर पिंगों दें, सुबह पानी निकाल दें और डॉलों द्वारा उत्तराधारी गुणों से भरपूर होते हैं।

पेस्ट को आंखों के नीचे 15-20 मिनट के लिए लागें। यह पैक अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण काले धेरों को खत्म करने में मदद करेगा। मेथी वीज पैक त्वचा को चमकती है। 2

# मुझे प्यार में कोई भी शर्त मंजूर नहीं : रफ़िल

'दे दे प्यार दे', 'वैक यू' डॉक्टर जी', 'रनवे 34' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती रुकुल प्रीत सिंह आने वाले दिनों में मुझे बुड़ू से लेकर साथ की कुछ दिलचस्प फिल्मों में नजर आएगी, जिनमें 'दे दे प्यार दे' का सीक्रेट 'इंडियन 2', 'अयलान' आदि शामिल हैं।

हाल ही में उसने अपना 33वां जन्मदिन मनाया। इस मौके को मनाने के लिए उसका बॉयफ्रेंड प्रोइयूसर जैसी भगवानी भी मंजूर था। गौतमल वह है कि रुकुल काफी समय से जैकी के साथ रिशेनशिप में है।

जब उससे अपने जीवन में प्यार के महत्व के बारे में पूछा गया तो उसने कहा कि कोई भी वास्तव में प्यार को

खुशगवार बनाए। उसका मानना है कि आपको अपने आप में ही इतना सम्पूर्ण होना चाहिए कि किसी के जीवन में खासी भवने की जरूरत ही न पड़े और जब कोई इंसान अपने आप में पूर्ण होता है तो ही वह किसी भी अन्य के जीवन में अपना योगदान दे सकता है।

ऐसा होने पर ही आप अपने करीबियों को बढ़ावे और फलने-फूलने दे सकते हैं।

लखे समय कर रही अकेली उसने कहा कि उसे अपने जीवन में ए क

सिंगल रही और उसने कभी बॉयफ्रेंड भी तलाश के लिए डॉटिंग ऐप्स की मदद लेने की कोशिश भी नहीं की लेकिन एक चीज जिस पर वह हमेशा विश्वास करती थी, वह थों प्रेम की 'यूनिवर्सल पापर' और वह जानती थी कि सही समय पर उसे सही साथी मिल ही जाएगा।

उसने यह भी बताया कि वह हमेशा से कोई साथी चाहती थी जो बिल्कुल उसके जैसा हो वह हमेशा विश्वास करती थी, वह थों प्रेम की 'यूनिवर्सल पापर' और वह जानती थी कि सही समय पर उसे सही साथी मिल ही जाएगा।

उसके अनुसार, शायद ऐसा तब होता है जब अपने अकर्षण ये

में शुरुआती चरण में होते हैं, लेकिन जीवन भर के लिए ऐसा नहीं हो सकता। इसलिए वह

किसी ऐसे साथी की तलाश में थी, जो बिल्कुल उसके जैसा हो और

उसकी यह तलाश जैकी भगवानी पर जाकर खस्त हुई। खास है नवाचार की त्यागा।

रुकुल का कहना है कि हर महिला को नवाचार त्योहार के रीति-रिवाजों से ऊपर उठकर इसके वास्तविक महत्व को समझना चाहिए।

उसके मन में बव्यन के तरीके से नवाचार का याद बस गया है और उसके जीवन मनाने की याद बसी हुई है लेकिन पिछले कुछ वर्षों के दौरान इस

गैरवशाली भारतीय त्योहार की प्रासंगिकता और जीवन में इसके महत्व को वह एक नए नजरिए से देखने लगी है।

वह कहती है, रहमारी पौराणिक कथाओं में महिलाओं की शक्ति को बहुत महत्व दिया गया है और उसका जशन मनाने की याद लैवी ही है। कहीं न कहीं, हम शायद अपनी गाह से भटक गए और पिंतूसात्सक समाज बन गए। मुझे लाला है कि यह त्योहार हमें हर महिला के पास मौजूद शक्ति की याद दिलाता है। महिलाएं इस ग्रह पर सबसे खूबसूरत प्राणी हैं। हम मजबूत और सहानुभूतिशील हैं।

सा थी हूँदूने के लिए एक कभी बहुत उत्सुकता नहीं होती और यह भी खुलासा किया कि वह लखे समय तक

महिला का कहना है कि हर महिला को नवाचार त्योहार के रीति-रिवाजों से ऊपर उठकर इसके वास्तविक महत्व को समझना चाहिए। उसके मन में बव्यन के तरीके से नवाचार का याद बस गया है और उसके जीवन मनाने की याद बसी हुई है लेकिन पिछले कुछ वर्षों के दौरान इस

गैरवशाली भारतीय त्योहार की प्रासंगिकता और जीवन में इसके महत्व को वह एक नए नजरिए से देखने लगी है।

वह कहती है, रहमारी पौराणिक कथाओं में महिलाओं की शक्ति को बहुत बोल्ड है, मैं जो हूँ उसे दिखाने से नहीं डरती। मेरी कमज़ोरीयों में रोता ताकत है, यहां दोनों की सहाना की जाती है और ऐसा ही आपके साथ भवित्व के बहुत प्राणी है। इसलिए मुझे निकल दिया।

लेकिन वे शो से बाहर निकलने वाली

घर के अंदर सबसे बड़ा ड्रामेबॉ

क्योंकि मैं जूकर कर रही थी। हर चीज में इस सीजन में 17 कंटेस्टेंट्स हैं, जिनमें मैं स्टैंड ले रही थी। मैं सना और कपल अंकिता लोखड़े-विक्की जैन मनारा जैसी लड़की नहीं हैं। मैं हर और ऐश्वर्या शर्मा-नील भृत्यां भी शामिल हैं। सीजन का पहला इवंवर्सन एक्सेस सीनियर बंल रही है। हालांकि सोनिया बसी की पता चला कि मैं स्टैंडिंग हूँ और अंदर से लोगों का दिल जलूस जैल दिया। मुझे निकल दिया।

उनके अनुसार वह 'बोल्ड' शब्द की एक प्रशंसन के रूप में लेती है और इसके संरेख को केवल दिखावे तक संसिद्ध नहीं रखती। उसने कहा, बोल्ड होना आपको द्वारा पहने जाने वाले कपड़ों के बारे में नहीं है, बल्कि यह इससे बहुत कुछ अधिक है। यह इस बात का साधारण है कि आप सबके सामने आकर उनकी राय से न डरते हूँ। अपने दिल की बात कह सके।

हमेशा से नहीं थी आज जितनी 'बोल्ड'

उस समय को याद करते हुए, जब वह अपने मानविक स्वस्य से जूँड़ी रही थी। उसने बताया कि मैं ऐसा पास दिया करने वाले दोनों को देखती हूँ जो से रही होती है, और यह भी दिखाई देता कि रोते हुए अपने दिल की बात कह सकते हैं।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

शामि अपने दिल की बात कह सकती है।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ, वह कौन से बोल्ड हूँ।

मैं जो बोल्ड हूँ



स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

# युवा क्रिया

सोमवार, 30 अक्टूबर 2023 9

## 'पब्लिक रिलेशन ऑफिसर' बन सवारे करियर

आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक युग में अपने उत्पादों, सेवाओं या स्वयं को प्रोमोट करने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक मरम्भस की जाने लगी है। इसी कार्यों को पब्लिक रिलेशन ऑफिसर अंजाम देते हैं। वे अपने क्लाइंट्स की इच्छा और आवश्यकताओं को समझ कर उन्हें प्रोमोट करने का जरूरी काम करते हैं।

पब्लिक रिलेशन को संवाद कला के रूप में भी जाना जाता है। व्यक्तिगत तौर पर एक व्यक्ति के लिए इक्षुआ अर्थ उसके गुणों और उपलब्धियों को हाईलाइट करने और सही संबंध स्थापित करने से होता है, जिससे उसका करियर फल-फूल सके। वहाँ एक कम्पनी के लिए इक्षुआ अर्थ मैटर में खुद को अच्छी तरह स्थापित करने का प्रोमोटर भी जाना जाता है।

इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल को बेहद प्रामाणी और सक्षिक्त उपायों से वाकिफ होना चाहिए।

आज अत्यधिक प्रतियोगिता का युग है। जिसमें हर किसी के सामने अपने संदेश को अन्यों से अलग दिखाना की चुनौती है। और इसी कार्य में पब्लिक रिलेशन ऑफिसर विशेषज्ञता रखते हैं।

**चूनौतियों की कोई कड़ी नहीं**

जैसे-जैसे बिजेस में प्रतियोगिता बढ़ रही है, पब्लिक रिलेशन ऑफिसरों को आंशिक रचनात्मक होना पड़ रहा है। अब उनके सामने केवल लोगों के



विचारों को अपने क्लाइंट्स के पक्ष में करने का ही काम नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसे प्रयत्न करने पड़ते हैं, कि उनका क्लाइंट भी में भी अवश्यक है। उसमें सब सबसे अलग दिखे। पी. आर. एजन्यूलिंग अथवा चक्रवर्ती ने अपने अनुबंध सांझे करते हुए कहा, इस काम के दौरान हर दिन में तुरंत लाभ न मिले। क्लाइंटक और रचनात्मक विचार खोजने की मुश्किल न कुछ न नया सीखने को मिलता है। जिस भी चीज़ या सेवा को आप प्रोमोट करते हैं, उसके बारे में आपका बदला बढ़ता है। यहाँ हर दिन किए जा सकते हैं। कई संस्थान व्योरी के साथ-साथ व्यावहारिक शिक्षा देने के लिए से 15 हजार रुपए प्रतिमाह प्रैक्टिक भी करवाते हैं।

**खास कौशल**

एक सफल पब्लिक रिलेशन ऑफिसर को बेशक नौकरी दिलवा दें, परंतु उन्हें वास्तविक कौशल अपने रुचि होनी चाहिए। गृहिणी और गर्लिंग से निपुणता भी मिलते हैं।

पब्लिक रिलेशन को नवीनतम बदलावों और कर्टन इवेंट्स से खुद को अवश्यक रखना होता है। उसमें सब की उच्च मात्रा होनी जरूरी है। क्लाइंट को सकता है कि इस क्षेत्र में तुरंत लाभ न मिले। क्लाइंटक और रचनात्मक विचार खोजने की क्षमता उन्हें विशेष रूप से लाभान्वित कर सकती है।

**व्यावहारिक**

वौतर पब्लिक रिलेशन ऑफिसर अच्छी एड या पी. आर. एजेंसी के साथ शुरूआत करने वाले 8 हजार रुपए प्रतिमाह तनखाह पा सकते हैं।

एक नई चुनौती है। पब्लिक रिलेशन के कोस-छात्र-छात्राओं और बेशक नौकरी दिलवा दें, परंतु उन्हें वास्तविक कौशल अपने रुचि होनी चाहिए। गृहिणी और गर्लिंग से निपुणता भी मिलते हैं।

प्रभुमुख संस्थान

\* भारतीय विद्या भवन, दिल्ली। \* इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, दिल्ली।

### योग्यता

किसी होटल में बौतर पी. आर. काम करना सीखने का एक अच्छा जरिया है, जिसके दौरान अच्छी आय भी हासिल की जा सकती है।

पंतु इस क्षेत्र में वास्तविक लाभ तभी मिल सकता है, जब व्यक्ति अनुभव हासिल करे और अपने अच्छी-खासे कॉटेक्ट बना कर व्यक्तिगत तौर पर कार्य शुरू करे।

विभिन्न संस्थान, विशेष रूप से पब्लिक रिलेशन में अथवा जर्नलिज्म के कोर्स में, इसे एक विषय के रूप में पढ़ते हैं। किसी भी विषय में ग्रेजुएशन के बाद ये कोर्स

प्रभुमुख संस्थान

\* भारतीय विद्या भवन, दिल्ली। \* इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, दिल्ली।

कौशल

एक बांबू इंटरव्यू, प्रैजेंटेशन आदि में भी बांडी लैंग्वेज हमारे काफी काम आता है। पेश हैं बांडी लैंग्वेज से संबंधित कुछ खास बातें।

**बाटन बिला कर बात करें**

हमेशा सामने वाले की आंखों में आंखें डाल कर बात करें। इसके बिना लैंग्वेज को असुरक्षित महसूस कर रहा है और अन्यों को असुरक्षित महसूस कर रहा है। या बातचीत पर पूरा ध्यान नहीं देता।

**\* बांडी पोर्टर पर परिश्रम करें**

अपने कंधों को रिलैक्स रखें। हल्का-सा आगे को झुक कर आप अपनी सचि प्रदर्शित कर सकते हैं।

व्यक्ति अपने भावों को व्यक्त करने के लिए मुख्य रूप से वाणी का प्रयोग तरह है परंतु अक्सर वह अपने व्यवहार और भाव-भिंगमाओं से भी जाने अनजाने में ही बहुत कुछ कह जाता है।

बिना वाणी की इस भाषा को ही 'बांडी लैंग्वेज' का नाम दिया गया है।

बांडी लैंग्वेज को समझने की क्षमता हासिल करके हम अपने जावन को बेहतर कर सकते हैं और अनेक ऐसी बातें जान सकते हैं जो हमारे सामने वाला हमें स्पष्ट रूप से बता नहीं पाता है।

बांडी पोर्टर पर परिश्रम करें

अपने कंधों को रिलैक्स रखें। हल्का-सा आगे को झुक कर आप अपनी सचि प्रदर्शित कर सकते हैं।

मेकअप आर्टिस्ट की भूमिका बालीबुड़ में खूबसूरत दिखने वाले

हर सुंदर चीज़ हमारी आंखों को अच्छी लगती है। ऐसे ही लोगों को सुंदर दिखाने का काम मेकअप आर्टिस्ट डिमार्ड के अनुसार वैरीलुक्स देते हैं जो पहले कभी नहीं आई है। चाहे शादी हो या कोई पार्टी अथवा ग्लैमर वर्ल्ड हर जाह अच्छी लुक्स की है जरूरत होती है इसलिए लोग अपनी लुक्स को लेकर ज्यादा जागरूक रहते हैं।

इन्हीं बजहों से मेकअप आर्टिस्ट आज एक उम्मा प्रोफेशन बन चुका है। जहाँ विभिन्न विज्ञापन संस्थाओं, फिल्म इंडस्ट्री, फैशन शो में काम करने वाले लोगों को लुक देने के लिए एक अप्रूप आर्टिस्ट को नियुक्त किया जाता है बॉलीबुड़ में कुछ ऐसे ही लोग अंतर्राष्ट्रीय अवृत्ति के नियुक्त होते हैं। इनसे नामचीन मेकअप आर्टिस्ट हैं। उसका काम व्यूटीपालर से होकर ही हुजरत होती है। इसमें फक्त लोगों ने तो नहीं है कि मेकअप आर्टिस्ट और अन्य कॉर्टेक्ट लुक्स के लिए एक अप्रूप आर्टिस्ट ही बॉलीबुड़ में कुछ ऐसे ही लोग होते हैं।

कुछ कम्युनिटी लुक्स को लेकर अपनी रुचि के लिए एक अप्रूप आर्टिस्ट को अनुभव होता है। सुनूर दिखने के लिए एक अप्रूप आर्टिस्ट को अनुभव होता है। इनसे नामचीन मेकअप आर्टिस्ट हैं। उसका काम व्यूटीपालर से होकर ही हुजरत होती है। इसमें फक्त लोगों ने तो नहीं है कि मेकअप आर्टिस्ट और अन्य कॉर्टेक्ट लुक्स के लिए एक अप्रूप आर्टिस्ट ही बॉलीबुड़ में कुछ ऐसे ही लोग होते हैं।

प्रोफेशनल मेकअप की भूमिका

मेकअप आर्टिस्ट की भूमिका

मेकअप आर्टिस्ट



# पिता से कॉलेज की गपशप भी शेयर करते थे सीजोआई डीवाई चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। सुधीम कोट्ट के तरीका मुख्य न्यायाधीश (सीजोआई) डीवाई चंद्रचूड़ के पिता वाईवाई चंद्रचूड़ भी सीजोआई थे। वह भारत के 16वें मुख्य न्यायाधीश थे और उनके नाम बतार सीजोआई सरबों लंबे कार्कोकाल (1978 से 1985) का रिकॉर्ड है। वह एक तमाम व्यक्तियों के बावजूद वाईवाई चंद्रचूड़ अपने बेटे के लिए समय निकालना नहीं भूलते थे।

एक इंटरव्यू में जरिस डीवाई चंद्रचूड़ ने बताया कि पिता के साथ उनके कैसे बॉल्डिंग थी। जरिस चंद्रचूड़ कहते हैं, “वह एक मंदिर ब्यक्ति थे। उन्हें स्पॉर्ट्स का बहुत शौक था। मेरा बहुत ज्यादा गधेर रहना, उन्हें पसंद नहीं था।... जैसे-जैसे समय बातता गया, हम बहुत अच्छे दोस्त बन गये। वह बहें खुले विचारों के साथ बदलने को तैयार थे। बड़े होने के बाद अगर किसी विषय पर मेरे दृष्टिकोण अलग होते थे और वह बात में उन्हें बताता था, तो वह उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हो जाते थे। हमारा रिश्ता काफी हाद तक समानता और दोस्ती का था।

चंद्रचूड़ आगे बताते हैं, “मेरे पिता ने सीजोआई रहते हुए या उसके बाद भी, परिवार में एक बुजुंग के रूप में अपने पांजिशन को कभी बहुत अधिक महत्व नहीं दिया। वह तक कि जब वह सीजोआई थे, तभी भी कपास मेरे लिए समय होता था। वह दिन के आखिर में मेरे साथ बैठते थे।

और कॉलेज के बारे में पूछते थे। जब मैं सेट स्टीफ़स में था, तो उन्हें दोस्तों और टीचरों के साथ हुई गपशप के बारे में बताता था।

जरिस डीवाई चंद्रचूड़ लॉ की

पद्धति के दौरान का किस्सा बताते हुए कहते हैं, “अगर मैं कॉर्टेक्ट

लॉ के बारे में कुछ सीख हाता

था और तब सुवार या शाम में

उनके साथ कुछ मिनटों के लिए

वैठता जाता था, तो वह उन्होंने ही देर

में मेरे सामने कॉन्ट्रैक्ट लॉ का पूरा

ब्रॉमांड खोलकर रख देते थे। इस

लिहाज से वह परिवार से भी बहुत

जुड़े हुए थे। मां के साथ अपने

लगाव के बारे में बताते हुए

पिता ने मझे संगीत सीखने के लिए

प्रोत्साहित किया। मैं तबला बहुत

अच्छा बताता था। एक समय तो

मेरे पिता को इस बात से चिंता

होने लगी थी। उन्होंने मेरी मां से

कहना शुरू कर दिया था कि

खतरा है कहीं यह तबला बादक

न बन जाए। उन दिनों यह माता-

पिता के लिए चिंता का विषय था।

वे इस मामले में बहुत रुद्धिवादी

थे और चाहते थे कि मैं डॉक्टर,

वकील या इंजीनियर बनूँ। तो इस

तरह मेरे बहुत बड़ी बात थी।

पिता को डर का तबला

बादक बन जाएंगे चंद्रचूड़

जरिस चंद्रचूड़ के माता-पिता

दोनों को शास्त्रीय संगीत का ज्ञान

था। जहां जरिस वाईवाई चंद्रचूड़

ने गंधर्व महाविद्यालय में संगीत

सीखा था। वहीं मां प्रश्न प्रतिष्ठित

शास्त्रीय गायक किशोरी अमोनकर

की शिक्षा थी। घर के इस माहोल

में कभी बहुत अधिक महत्व नहीं

दिया। वह तक कि जब वह

सीजोआई थे, तभी भी कपास

मेरे लिए समय होता था। वह दिन

के आखिर में मेरे साथ बैठते थे।

चंद्रचूड़ की बैठक ले रहे थे।

अपनी मां के साथ उनके घर जाता

था और हम सुहृद वही बिताते

थे। मैं उनके छोटे बच्चों के साथ

खेलता था, लेकिन बगल के कमरे

में गए जा रहे संगीत को सुनने से

बचता था। संगीत मुझे इतना

प्रभावित कर देता था कि मैं रोने

में गया और आँड़िशन दिया।

चंद्रचूड़ की बैठक ले रहे थे।

अपनी मां के बादक बैठक ले रहे थे।

अपनी मां के







## ऋषभ पंत पर बीसीसीआई ने कहा एक्सीडेंट से उभरा बल्लेबाज ? बताया कब करेंगे वापसी



मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के विस्फोटक बल्लेबाज ऋषभ पंत की भारतीय टीम में वापसी को लेकर बीसीसीआई ने बड़ा अपडेट दिया है।

भारत के विस्फोटक बल्लेबाज ऋषभ पंत का एक्सीडेंट होने के बाद वह लंबे समय से भारतीय टीम के हिस्सा नहीं है। पंत की

कार का एक्सीडेंट होने के कारण वह बाल-बाल गए बचे थे। तभी से जख्मी होने के कारण उन्होंने क्रिकेट से दूरी बना रखा है, लेकिन अब फैस के लिए गुड न्यूज आया है। बीसीसीआई ने भारतीय टीम में ऋषभ पंत की वापसी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। बीसीसीआई अधिकारी के मुताबिक पंत, इस सीरीज में भारतीय टीम के हिस्सा हो सकते हैं।

